Welcome To My YouTube Channel
Education Lecture

हिन्दी 12th विलयन Solution प्रश्न- उत्तर
PDF के लिए 9142529134

1. बातचीत ➡️ बालकृष्ण भट्ट

1.) अगर हममें वाकशक्ति न होती, तो क्या होता ?

➡️ अगर हममें वाकशक्ति न होती तो पूरा पृथ्वी गूंगी प्रतीत होती और गूंगी की अवस्था में किसी कोने में बैठी होती । वाकशक्ति के द्वारा ही हम किसी से बात कर सकते हैं, और अलग अलग तरह के क्रियाकलाप कर सकते है | जब वाकशक्ति ही नहीं होती, जो हमारे जीवन का जो गति है, वे थम जाती और पूरी सृष्टि गूंगी हो जाती, विचारों का आदान–प्रदान नहीं हो पाता, इस लिए मनुष्य में वाकशक्ति होना अतिआवश्यक है ।

2) बातचीत के संबंध में बेन जॉनसन और एडिसन के विचार हैं ?

➡️ बातचीत के संबंध में बेन जॉनसन का कहना है कि बोलने से ही मनुष्य के रूप का [1]साक्षात्कार होता है, वे यह भी कहते हैं कि जिन लोगों को बातचीत का लत लग जाता है, वे बिना बातचीत किये नहीं रह सकते हैं । चार लोगों से अधिक के बीच बातचीत तो राम–रामौवल कहलाती है जबकि एडिसन का कहना है कि असली बातचीत सिर्फ दो लोगों के बीच हो सकती है । इसका अर्थ है कि, जब दो व्यक्ति होते हैं तभी एक दूसरे के सामने अपने दिल को खोलते हैं और बातचीत होती है, अगर दो से ज्यादा लोग हुए है या 3 लोग होते हैं तो वह बात त्रिकोणीय हो जाता है । और उससे अधिक लोगों के बीच बातचीत नहीं बल्कि बतकही होती है ।

1

3.) 'आर्ट ऑफ कनवरसेशन' क्या है

➡️ आर्ट ऑफ कन्वर्सेशन का मतलब बातचीत की कला है, जो यूरोप के लोगों में ज्यादा प्रचलित है | आर्ट ऑफ कन्वर्सेशन ऐसे चतुराई के प्रसंग छोड़ जाते हैं कि जिन्हें सुनकर कान को अत्यंत सुख का अहसास होता है | शर्मीलापन हिचकिचाहट और घबराहट मानसिक कमजोरी ये अच्छी बातचीत के करने के बाधक है और आत्मविश्वास के साथ निरंतर अलग रहकर किए जाने वाले वार्तालाप के द्वारा कमजोरियों को दूर किया जा सकता है[2]

4.) मनुष्य के बातचीत का तरीका क्या हो सकता है ? इसके द्वारा वह कैसे अपने लिए स्वर्था नवीन संसार की रचना कर सकता है ?

मनुष्य के बातचीत का सबसे अच्छा तरीका आत्मा वार्तालाप है अर्थात अपने आप से बातचीत करना | मनुष्य अपने अंदर ऐसी शक्ति विकसित करें जिसके कारण वह अपने आप से बात कर लिया करें | आत्म वार्तालाप करने से क्रोध पर नियंत्रण होगा जिससे किसी को ठेस नहीं पहुंच सकेगा | धैर्य लग्न व पैनी नजर से बातचीत करना मुख्य साधन हैं

हम बातचीत के द्वारा अपनी कमियों कमजोरियों और गलतियों को जानकर उनको सुधारने का प्रयत्न किया जाना चाहिए तथा अन्य लोगों की गलतियों से भी शिक्षा ग्रहण करने की कोशिश करनी चाहिए | मनुष्य को अपने जिह्वा पर काबू रखना चाहिए और मधुरता भरी वाणी बोलना चाहिए यही बातचीत का उत्तम तरीका है

2

व्याख्या करें

क) हमारे भीतरी मनोवृति प्रतिक्षण नए–नए रंग दिखाए करती है, प्रपंचात्मक संसार की एक भारी आईना है, जिसमें जैसा चाहे वैसा सूरत देख लेना कोई दुर्घट बात नहीं है

➡️ प्रस्तुत पंक्तियां बातचीत निबन्द के विद्वान लेखक बालकृष्ण भट्ट के शीर्षक पाठ से लिया गया है | इन पंक्तियों के माध्यम से लेखक ने हमें बताया है कि जो इंसान समाज में रहता है तो समाज की भाषा सीखता है | भाषा उसके स्वभाव का एक माध्यम बन जाता है | लेकिन मनुष्य के अंदर मनोवृति स्थिर नहीं रहती है और इसी चंचलता के कारण मनुष्य एक दूसरे को दुश्मन मान लेता है | वह कभी कटुता बोली या कभी मीठी बोली बोलता है और इससे मनुष्य के चरित्र का पता नहीं लग पाता है | मनुष्य के मन की स्थिति गिरगिट के जैसे रंग बदलती है | इस स्थिति के कारण लेखक के मन के चंचलो को जड़ मानते हैं | इस सृष्टि में झूठे छल कपट होते रहते हैं | इसका का सबसे बड़ा कारण इस मन की चंचलता को मानते हैं | अतः ऐसी स्थिति में विद्वान लेखक बचने की सलाह देते हैं और मन की चंचलता पर नियंत्रण रखने को कहते हैं[3]

ख) सच है, जब तक मनुष्य बोलता नहीं तब तक उसका गुण दोष प्रकट नहीं होता है |

प्रस्तुत पंक्तियां विद्वान निबंधकार बालकृष्ण भट्ट द्वारा रचित 'बातचीत' शीर्षक ललित निबंध से ली गई है | इन पंक्तियों के माध्यम से निबंधकार या बताना चाहते हैं कि बोलने से मनुष्य के रूप का साक्षात्कार होता है उसकी पहचान सामने आती है उसका स्वभाव का पता चलता है | मनुष्य के अंदर बहुत से परतें जमी होती है | इसमें कुछ अच्छी होती है कुछ बुरी होती है बातचीत के दौरान यह हमारे जिह्वा से

3

प्रकट होता है | अतः बोलने से मनुष्य के गुणों दोषों की पहचान होती है जब मनुष्य चुप रहता तो उसके गुण दोष का पता नहीं चलता है और वह जब बोलता है तो उसके गुण और दोष का पता होता है

'बातचीत' निबंध का सारांश

लेखक परिचय

नाम➡ बालकृष्ण भट्ट
जन्म➡ 23 जून 1844 को
मृत्यु➡ 20 जुलाई 1914 को
निवास स्थान➡ इलाहाबाद ,उत्तर प्रदेश
माता➡ पार्वती देवी
पिता➡ बेनी प्रसाद भट्ट

रचनाये⬇
उपन्यास↪ रहस्य कथा, नूतन ब्रह्मचारी, सौ अजान एक सुजान, गुप्त वैरी, रसातल यात्रा, उचित दक्षिणा, हमारे घड़ी, सद्भाव का आभाव

नाटक➡ पदमावती, किरातार्जुनिय, वेणी संहार, बाल विवाह आदि

Education Lecture

1. बातचीत ➡निबन्द का सारांश

बातचीत शीर्षक निबंध आधुनिक काल के प्रसिद्ध निबंधकार बालकृष्ण भट्ट द्वारा लिखा गया है ।
जिसमें लेखक ने वाकशक्ति वाकशक्ति को ईश्वर का वरदान बताया है ।
बालकृष्ण भट्ट जी कहते हैं कि वाकशक्ति अगर मनुष्य में न होती तो न जाने इस गूंगी सृष्टि का हाल क्या होता ।

वे कहते हैं कि, बातचीत में वक्ता की स्पीच की तरह नाजनखरा जाहिर करने का मौका नहीं दिया जाता है, वे कहते हैं कि जैसे आदमी को जिंदगी मजेदार बनाने के लिए खाने-पीने चलने इत्यादि की जरूरत है वैसे ही बातचीत भी जरूरत है, वैसे ही बातचीत भी अति आवश्यक है इससे चीत्त हल्का और स्वच्छ हो जाता है। और मबाद जो हृदय में जमा रहता है जो भाप बनकर उड़ जाता है । बेन जॉनसन कहते है, कि बोलने से ही मनुष्य के रूप का साक्षात्कार होता है । लेखक ने बातचीत के प्रकार को भी बताया है ➡️ एडिशन मानते हैं कि असली बातचीत सिर्फ दो व्यक्तियों में हो सकती है जब दो लोग होते हैं तभी अपना दिल की बात एक दूसरे के सामने खोल पाते हैं ।

लेखक के अनुसार **3** लोगों के बीच बातचीत अंगूठी में जुड़ी नग के जैसी होती है , चार लोगों के बीच बातचीत तो केबल राम–रमौवल कहलाएगी ।

यूरोप के लोगों में बात करने का हुनर होता है जिसे 'आर्ट ऑफ कनवरसेशन' कहा जाता है । अतः बालकृष्ण भट्ट कहते हैं कि हमें अपने अंदर ऐसी शक्ति पैदा करनी चाहिए जिससे हम अपने में ही बात कर लिया करें बातचीत का यही उत्तम तरीका है

By Prahalad Sir

PDF के लिए➡️ 9142529134

YouTube Channel Education Lecture